B.Com - II
Sub: M/B

Study Material

15/5/20

By Dr. S. Mahir Rahman

DEFLATION

मुद्रा विस्फीति या मुद्रा संकुचन

मुद्रा स्फीति की सर्वथा विपरीत अवस्था को संकुचन या विस्फीति कहते हैं।

Crowther के अनुसार "मुद्रा विस्फीति वह स्थिति है जिसमें मुद्रा मूल्य बढ़ता है और वस्तुओं का मूल्य घटता है।"

प्रो० पीगू के अनुसार "मुद्रा विस्फीति वह स्थिति है जब कि वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा मौद्रिक आय की तुलना में तीव्र गति से बढ़ती है और वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य में लगातार गिरावट आती चली जाती है।

इस प्रकार Deflation मूल रूप से सरकारी नीति के कारण होती है। जब देश का भुगतान संतुलन लगातार पक्ष में हो और विदेशों से स्वर्ण अथवा पूंजी का लगातार आयात होने पर भी न तो मुद्रा की मात्रा में वृद्धि हो और न ही वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि होने दी जाय तो मुद्रा-विस्फीति की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

—x—

By Dr. S. Mahir-Rahman

Scanned with CamScanner